‘वाह! ज़िन्दगी वाह!’ से सभी की ज़िन्दगी हुई वाह!

छात्राओं के साथ शहर के गणमान्य लोगों ने भी लिया भाग।

कार्यक्रम के दौरान ब्र.कु. गंगाधर का शॉल पहनाकर सम्मान करते हुए गोपाल भाई। मंचासीन हैं उद्योगपति गोपाल सींगाळा, ब्र.कु. अनुज, ब्र.कु. रूपा तथा डॉ. प्रो. प्रवीण गजेरा।

केशोद-गुज.। कन्या विनय मंदिर के ग्राउण्ड में स्कूली छात्राओं के साथ-साथ शहर के अति गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में ‘वाह ज़िन्दगी वाह’ कार्यक्रम में दिल्ली से आये मोटिवेशनल स्पीकर व जर्नलिस्ट ब्र.कु. अनुज ने ज़िन्दगी के कुछ उन पहलुओं को छुआ जो हमारी ज़िन्दगी को अति खुशहाल बना सकते हैं। उन्होंने कहा कि ज़िन्दगी मिली है किसी के काम आने के लिए, लेकिन हमारा सारा वक्त बीत रहा है कागज़ के टुकड़े कमाने के लिए’, अर्थात् हम अपनी ज़िन्दगी में पैसे को, पद को, प्रतिष्ठा को अधिक महत्व देते हैं। इसमें हम स्वयं को भूल जाते हैं। हमें समझना ये है कि यदि हम स्वयं को महत्व ज्यादा दें, स्वयं को खुशी प्रदान करें, स्वयं से खुश रहें, खुश होकर कर्म करें तो हमारी ज़िन्दगी ‘वाह वाह’ हो जायेगी। ऐसी ज़िन्दगी जीने के लिए बस थोड़ा सा हमें अपने आपको टाइम देना होगा।

इस कार्यक्रम में माउण्ट आबू से ओमशान्ति मीडिया के सम्पादक ब्र.कु. गंगाधर भी उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में केशोद सेवाकेन्द्र की संचालिका ब्र.कु. रूपा ने आशीर्वचन दिये। इसके अलावा शहर के विभिन्न स्कूल कॉलेजेज़ तथा अन्य संस्थाओं में भी कार्यक्रम का सफल आयोजन हुआ जिसे लोगों ने खूब सराहा तथा

हैम रेडियो प्राकृतिक आपदा काल में संचार व सुरक्षा का विकल्प

कार्यक्रम के दौरान दादी जानकी के साथ दीप प्रज्वलित करते हुए डॉ. कार्तिकेयन, गोपाल माधवन, रेमोन पेरेज ब्रेट, एस. सूरी, ब्र.कु. मृत्युंजय, ब्र.कु. रजनी, ब्र.कु. यशवंत पाटिल, ब्र.कु. नंदा तथा अन्य।

शांतिवन। वर्तमान समय का युग विज्ञान का है। परंतु प्राकृतिक आपदाओं के समय ऐसी विपदा आ जाती है जिसका मुकाबला करना कठिन हो जाता है। ऐसे में हैम रेडियो की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। प्राकृतिक विपदा के समय हैम रेडियो का दूसरा कोई विकल्प नहीं है। उक्त उद्गार सी.बी.आई. के पूर्व निदेशक तथा हेमेस्ट-2016 के अध्यक्ष डॉ. कार्तिकेयन ने रेडियो मधुबन तथा हैम रेडियो के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित रजत जयंती समारोह में व्यक्त किये।

‘मन की शक्ति और अध्यात्म हर तरह की विपत्तियों में सहायता करते हैं। जब तक हमारे अंदर आध्यात्मिक शक्ति रहेगी तब तक परमात्मा हर वक्त हमारा मददगार रहेगा’ - **ब्रह्माकुमारी संस्था की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकी।**

‘जब देश व दुनिया में कोई संचार व्यवस्था कार्य नहीं करती है, तब हैम रेडियो कार्य करता है। हमें खुशी है कि इससे आपात काल में जन सेवा के लिए मदद मिलेगी’ - **एमेच्योर रेडियो संघ के अध्यक्ष गोपाल माधवन।**

‘भारत में आकर इस समारोह में भाग लेना अच्छा लग रहा है। भारत की संस्कृति का तारतम्य सुखद है’ - **वेनेजुएला हैम रेडियो ऑपरेटर तथा सुप्रसिद्ध ऑन्कोलॉजिस्ट रेमोन पेरेज ब्रेट।**

‘पूरे भारत में करीब 72 हज़ार हैम रेडियो लाइसेंस धारक हैं, जो समय प्रति समय पर विपदाओं के समय लोगों की मदद करते हैं’ - **एमेच्योर रेडियो इंस्टीट्यूट हैदराबाद के संस्थापक निदेशक एस. सूरी।**

कार्यक्रम में हैम रेडियो के वाइस प्रेसीडेंट ब्र.कु. मृत्युंजय, ब्रह्माकुमारी संस्थान जापान की प्रभारी ब्र.कु. रजनी ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि इसे और व्यापक रूप में प्रचारित एवं प्रसारित करने की ज़रूरत है। रेडियो मधुबन के कोऑर्डिनेटर तथा कार्यक्रम आयोजक ब्र.कु. यशवंत पाटिल, ब्र.कु. नंदा समेत कई लोगों ने अपने-अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम में सभी लोगों ने ऐसे संचार माध्यम के प्रति अपनी खुशी ज़ाहिर की।

गलत आदतों से मुक्ति, स्वयं का परिवर्तन ही समाज को देगा नई दिशा

ओ.आर.सी.-गुरूग्राम। ब्रह्माकुमारीज़ के ओम शांति रिट्रीट सेंटर में उच्च शिक्षा से जुड़े शिक्षाविदों के लिए ‘एज्युकेशन फॉर क्वालिटी ऑफ लाइफ’ विषय पर कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारीज़ के अतिरिक्त सचिव राजयोगी ब्र.कु. बृजमोहन ने कहा कि वर्तमान में शिक्षा के क्षेत्र में हम उन्नति कर रहे हैं, लेकिन जीवन स्तर में ऐसा कोई बदलाव नहीं है। शिक्षा में आध्यात्मिकता कहीं भी नहीं है, जिसके कारण आज शिक्षा व्यावसायिक लगती है। यदि शिक्षा में आध्यात्मिक शिक्षा सम्मिलित हो जाए तो जीवन में मूल्यों का विकास भी होगा और लोग ईमानदारी व सत्यता से जीवन जियेंगे। ओ.आर.सी. निदेशिका ब्र.कु. आशा ने कहा कि आध्यात्मिकता हमें वो शक्ति प्रदान करती है जिससे हम बुराइयों एवं गलत विचारों से मुक्त हो सकते हैं। बीती हुई बातों का इतना असर जीवन में पड़ जाता है कि जिसमें हम वर्तमान को भूल जाते हैं। अगर हम जो बीत गया उसे भूलें तो जीवन सहज हो जायेगा।

सुप्रसिद्ध मोटिवेशनल स्पीकर ब्र.कु. शिवानी ने कहा कि जो भी हम खुश रहकर करते हैं, वो कार्य हमें खुशी प्रदान करता है। लेकिन परेशान होकर कार्य करने से हम छोटी-छोटी परिस्थितियों से घबरा जाते हैं। परिस्थितियाँ कम हो जाएं ऐसा सोचते हैं, लेकिन मन की शक्ति को नहीं बढ़ाना चाहते। लेकिन यदि आप मन को नियंत्रित करते हैं तो किसी भी परिस्थिति को नियंत्रित कर सकते हैं।

कार्यक्रम में शिक्षाविदों को सम्बोधित करते हुए मोटिवेशनल स्पीकर ब्र.कु. शिवानी।

इस कार्यक्रम में दिल्ली एन.सी.आर. क्षेत्र के उच्च शिक्षा संस्थानों के अनेक निदेशक, कुलपति एवं प्रोफेसर्स ने भाग लिया। जिनमें मुख्य रूप से डॉ. सत्य नारायण,उप कुलपति,बी.एम.एल. विश्वविद्यालय, डॉ. प्रभाकर राव, प्रिंसीपल,ज़ाकिर हुसैन कॉलेज,दिल्ली, डॉ. प्रीति पंत एवं अन्य कई शिक्षाविद शामिल हुए।

कार्यालय- ओम शान्ति मीडिया, संपादक- ब्र.कु.गंगाधर, ब्रह्माकुमारीज़, शान्तिवन, तलहटी, पोस्ट बॉक्स न.- 5, आबू रोड (राज.)- 307510. सदस्यता के लिए सम्पर्क- M - 9414006096, 9414182088,
Email- omshantimedia@bkivv.org, mediabkm@gmail.com, Website- www.omshantimedia.info
सदस्यता शुल्कः भारत - वार्षिक 190 रुपये, तीन वर्ष 570 रुपये, आजीवन 4500 रुपये । विदेश - 2500 रुपये (वार्षिक) कृपया सदस्यता शुल्क ‘ओमशान्ति मीडिया’ के नाम मनीऑर्डर या बैंक ड्राफ्ट (पेएबल एट शान्तिवन, आबू रोड) द्वारा भेजें।

RNI NO RAJHN/2000/721, POSTAL REGD. RJ/SIROHI/9623/15-17, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2015-17, Posting on 12TH TO 14TH and 22ND TO 24TH each month, published on 13th Dec 2016
संपादकः ब्र.कु.गंगाधर, प्रकाशकः ब्र.कु.करुणा द्वारा ब्रह्माकुमारीज़ मीडिया प्रभाग (आर.ई.आर.एफ) के लिए प्रकाशित एवं डी.बी.प्रिंट सॉल्यूशन्स जयपुर से मुद्रित।